

श्याम बने परदेशिया हो ५५५५५
 लागे न मोरा जिया
 विरहा की मारी रोये ॥२॥
 प्यार किया

तुझमें दवि थी- मन भावन ५५५५५
 सूने पड़े हैं- घर और आँगन
 प्रीत लगा के लूने ॥२॥ तरसा दिया
 श्याम बने-----

सूने पड़े हैं- सब झूले ५५५५
 नेहा लगा के हमको भूले
 तेरी मुरलिया रोये ॥२॥ भूले पिया
 श्याम बने-----

आजा "श्रीबाबाश्री" में तो हारी ५५५५५
 दिन भी लगे हैं- अब आँधियारी
 लूने किन बातों का ॥२॥ बदला लिया
 श्याम बने-----